

लोकसुनवाई का वृत्त।

श्री बिमल कुमार, पिता- श्री श्याम सुंदर यादव, पता-मोहल्ला-कुर्जी, पोस्ट-कुर्जी मोड़, थाना-दीघा जिला-पटना द्वारा सोन-13 बालूघाट, मौजा-हुरका, प्रखंड-डेहरी, जिला-रोहतास के अन्तर्गत परियोजना से संबंधित पर्यावरणीय स्वीकृति के वास्ते पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अधिसूचना सं०-एस.ओ.1533, दिनांक 14 सितम्बर, 2006 के तहत दिनांक 17.06.2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे अंचल कार्यालय डेहरी, डेहरी, जिला-रोहतास में लोक सुनवाई की गयी।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार अधिसूचना सं०-एस.ओ. 1533, दिनांक 14 सितम्बर 2006 एवं यथा संशोधित के तहत राज्य स्तरीय पर्यावरणीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण, बिहार के द्वारा निर्गत TOR File.No.SIA/1(a)/2262/2023, dated 31.01.2023 के आलोक में श्री संजय कुमार सिन्हा, अपर समहर्ता, रोहतास (जिला पदाधिकारी, रोहतास के प्रतिनिधि) की अध्यक्षता में बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्वद, द्वारा दिनांक 17.06.2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे अंचल कार्यालय डेहरी, डेहरी, जिला-रोहतास में लोक-सुनवाई आयोजित की गयी। उपस्थिति पंजी संलग्न (अनुलग्नक-1)

इस लोक-सुनवाई की सूचना बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्वद द्वारा दैनिक समाचार पत्रों यथा प्रभात खबर, टाइम्स ऑफ इंडिया के माध्यम से दिनांक 12.05.2023 को प्रकाशित की गयी थी (प्रतिलिपि संलग्न)। लोक-सुनवाई के दौरान श्री आशीष कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय पदाधिकारी, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्वद, पटना द्वारा लोक-सुनवाई में उपस्थित जन-समुदाय एवं सभी संबंधित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना सं०-एस.ओ.1533, दिनांक 14 सितम्बर 2006 एवं यथा संशोधित के तहत इकाई के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक-सुनवाई की पृष्ठ-भूमि पर प्रकाश डाला गया। लोक हित में कार्य योजना से संबंधित सुनवाई के उद्देश्य से उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया। साथ ही स्थानीय लोगों से पर्यावरण संरक्षण एवं लोक हित के संबंध में सुझाव/विचार/मंतव्य माँगा गया।

लोक सुनवाई कार्यक्रम के अध्यक्ष के अनुमति से परियोजना के पर्यावरणीय सलाहकार श्री रवि रंजन कुमार ने इकाई की खनन कार्य परियोजना, प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था एवं कॉरपोरेट पर्यावरण जिम्मेदारी (Corporate Environmental Responsibility) आदि के संबंध में आमजनों को विस्तृत रूप से अवगत कराया। इनके द्वारा सूचित किया गया कि खनन कार्य के उपरान्त परिवहन के दौरान उत्सर्जित होने वाले धूल-कण की रोक-थाम हेतु सड़को पर नियमति रूप से जल छिड़काव किया जायेगा। वाहनों पर ओवर लोडिंग नहीं की जायेगी। वाहनों को तिरपाल से ढक कर ले जाया जायेगा। खनन कार्य सतह से 3 मीटर की गहराई तक या भू-जल स्तर से ऊपर तक किया जायेगा। ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु ध्वनि यंत्र (हार्न) का न्यूनतम उपयोग किया जायेगा। पुराने एवं खराब वाहनों का इस्तेमाल नहीं किया जायेगा। सड़क के किनारे एवं खनन पट्टा क्षेत्र में वृक्षारोपण (570 नं०) का कार्य किया जायेगा। बालू खनन के दौरान पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के Sustainable Sand Mining Management

Guidelines 2016 (SSMG-2016) एवं Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining-2020 (EMGSM-2020) के प्रावधानों का अनुपालन किया जायेगा।

परियोजना प्रस्तुतिकरण के पश्चात् उपस्थित महानुभावों द्वारा दिए गए सुझाव/मंतव्य निम्नवतः है:-

क्रमांक	नाम एवं पता	प्रतिक्रिया/सुझाव
1.	श्री रोहित कुमार, ग्राम-रोहिका, जिला-रोहतास।	इनके द्वारा बताया गया कि पानी का छिड़काव करने एवं पेड़ लगाने की बात कही जाती है, लेकिन बाद में अनुपालन नहीं होता है। क्षेत्रीय पदाधिकारी, बि.रा.प्र.नि. पर्षद द्वारा बताया गया कि संवेदक द्वारा अनुपालन नहीं किये जाने की स्थिति में आम जनता द्वारा जिला खनन कार्यालय, जिला पदाधिकारी या बि.रा.प्र. नि., पर्षद में शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत E-mail के माध्यम से भी किया जा सकता है।
2.	श्री मिथिलेश कुमार, ग्राम-हुरका, जिला-रोहतास।	इनके द्वारा बताया गया कि बालू सड़क पर गिर जाता है, स्थानीय लोग को रोजगार मिलना चाहिए एवं पेड़ लगाने के साथ-साथ रख-रखाव होना चाहिए। पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा बताया गया कि ओभर लोडिंग नहीं किया जायेगा, बालू से लदे ट्रक को तिरपाल से ढका जायेगा। स्थानीय लोग को योग्यता के आधार पर रोजगार मुहैया कराया जायेगा। स्थानीय 02 माली को पेड़ का रख-रखाव हेतु रखा जायेगा।
3.	श्री संजय कुमार, ग्राम-हुरका, जिला-रोहतास।	इनके द्वारा बताया गया कि नदी के तट से ही खनन शुरू कर दिया जाता है। खनन कार्य नदी के तट से हटकर कुछ दूरी के बाद करना चाहिए। पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा बताया गया कि खनन क्षेत्र का Co-ordinate दिया जाता है। खनन कार्य नदी के तट से हटकर ही किया जायेगा।
4.	श्री हरिनारायण सिंह, ग्राम-हुरका, जिला-रोहतास।	इनके द्वारा बताया गया कि खनन क्षेत्र में इनका खेत है, इसलिए इनको मुआवजा मिलना चाहिए। अपर समहर्ता द्वारा बताया गया कि खनन क्षेत्र में रैयती जमीन नहीं होता है। अगर आपके साथ ऐसा हुआ है तो समुचित फोरम के माध्यम से सक्षम न्यायालय में वाद दायर कर सकते हैं।

5.	श्री शशि रंजन, ग्राम-हुरका, जिला-रोहतास।	<p>इनके द्वारा बताया गया कि इस क्षेत्र में ओभर लोडिंग से दिक्कत है। ट्रक-ट्रेक्टर चलने से धूल उड़ता है एवं सड़क पर बालू जमा हो जाता है।</p> <p>सड़क पर पानी का छिड़काव दिन में 2 बार किया जाय। बालू से लदा गाड़ी तिरपाल से ढककर ले जाया जाय। ओभर लोडिंग नहीं किया जाय।</p>
6.	श्री राजू कुमार, ग्राम-हुरका, जिला-रोहतास।	<p>इनके द्वारा बताया गया कि पानी का छिड़काव नहीं किया जाता है और बालू सड़क पर गिरते जाता है।</p> <p>पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा आश्वस्त किया गया कि पहुँच-पथ के दोनों तरफ 300 मी0 तक हाई स्पीड स्प्रिंकलर मशीन से जल छिड़काव किया जायेगा।</p>
7.	श्री दीपक कुमार सिंह, ग्राम-हुरका, जिला-रोहतास।	<p>इनके द्वारा पूछा गया कि श्रमिक को चोट लगने पर क्या प्रावधान है।</p> <p>पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा बताया गया कि फर्स्ट एड बॉक्स की व्यवस्था रहती है। नजदीक के अस्पताल से Tie-up रहता है, श्रम कानून के तहत मुआवजा दिया जाता है।</p> <p>अपर समहर्ता द्वारा संवेदक को निदेश दिया गया कि श्रमिकों को सूची जिला खनन कार्यालय एवं श्रम संसाधन विभाग को अवश्य उपलब्ध करावें।</p>
8.	श्री अखिलेश कुमार, ग्राम-हुरका, जिला-रोहतास।	<p>इनके द्वारा बताया गया कि वाहन के संचालन के दौरान होने एवं अश्लील गाना बजाया जाता है।</p> <p>अपर समहर्ता द्वारा संवेदक को निदेश दिया गया कि वाहन चालक को संख्त हिदायत देंगे कि अश्लील गाना न बजायें एवं गति पर नियंत्रण रखेंगे।</p> <p>उनके द्वारा बताया गया कि बालू घाट से मुख्य सड़क के बीच का पहुँच-पथ आबादी क्षेत्र से नहीं जाय। पहुँच-पथ के दोनों ओर 300मी0 तक High Speed Sprinkleen से जल छिड़काव किया जाय। ओभर लोडिंग नहीं किया जाय। वाहन गति पर नियंत्रण हो।</p> <p>मजदूरों के लिए फर्स्ट-एड की व्यवस्था हो। मजदूरों की सूची श्रम विभाग को उपलब्ध कराया जाय। मजदूरों का हेल्थ कार्ड बनाया जाय। बालू का खनन रैयती जमीन से नहीं हो। सीमा क्षेत्र को चिन्हित किया जाय।</p>

9.	श्री चंदन कुमार शर्मा, ग्राम-हुरका, जिला-रोहतास।	इनके द्वारा स्थानीय लोग को बालू के दर में रियायत की मांग की गयी। पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा बताया गया कि बालू का सरकारी दर फिक्स्ड होता है, इसमें रियायत का प्रावधान नहीं है।
----	--	---

सुनवाई के क्रम में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, डिहरी, राजस्व अधिकारी, डिहरी तथा जिला खनन पदाधिकारी के प्रतिनिधि श्री संजीव रंजन भी उपस्थित अपने-अपने विचार रखे :-

प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने चर्चा में भाग लेते हुए बालु परिवहन के दौरान आम तौर होने वाली समस्याओं यथा वायु प्रदुषण, ध्वनी प्रदुषण एवं ट्रेफिक जाम इत्यादि के बिन्दु पर ध्यान आकृष्ट करते हुए इस बात पर बल प्रदान किया गया कि खनन के दौरान एवं खनन उपरान्त सरकार के द्वारा निर्धारित मापदण्ड का कड़ाई से अनुपालन एवं सतत् निगरानी रखा जाना आवश्यक है।

राजस्व अधिकारी ने अन्य बातों के अतिरिक्त चर्चा के क्रम में हरि नारायण सिंह द्वारा उठायी गयी शंका का समाधान करते हुए स्पष्ट किया गया है कि प्रस्तुत परियोजना के रैयती भूमि पर किसी भी प्रकार का खनन को लेकर अगर विवाद हो, उस संदर्भ में तो अविलंब उनसे संपर्क कर उसे निवारित करा सकते हैं। चर्चा के क्रम में उपस्थित श्री संजय कुमार के द्वारा खनन क्षेत्र में कटाव के बिन्दु पर उठाए गए प्रश्न पर परियोजना के तरफ से स्पष्ट किया गया है कि नदी तट से हटकर ही खनन का कार्य किया जाएगा। ऐसे में कटाव की समस्या नहीं होगी। फिर भी इस संदर्भ में अध्यक्ष द्वारा उपस्थित अंचलाधिकारी को इसे संज्ञान में लेकर जाँच करने का निदेश दिया गया।

चर्चा के क्रम में जिला खनन कार्यालय के तरफ से उपस्थित श्री संजीव रंजन, खान निरीक्षण, पदाधिकारी ने खनन कार्य हेतु सरकार के द्वारा निर्धारित मापदंडों की संक्षिप्त चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि सरकार के निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप ही कार्रवाई अनुमान्य है, जिसे सुनिश्चित कराया जाएगा।

चर्चा के क्रम में अध्यक्ष के द्वारा मुख्य रूप से परियोजना तथा परियोजना के आलोक में सरकार के द्वारा इस 'जन सुनवाई' के पीछे के निहित उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट किया गया कि संतुलित विकास सरकार का मुख्य लक्ष्य है। सरकार दृढ़ संकल्पित है कि विकास से पर्यावरण संतुलन एवं आम-जनो की स्वास्थ्य आदि सुविधाओं पर प्रतिकूल असर नहीं पड़े और इसी उद्देश्य से सरकार के द्वारा इस जन सुनवाई का प्रावधान किया गया है। सरकार इस बात को मानती है कि आम जन अपने हितों को बेहतर समझते हैं और किसी परियोजना के वास्तविक परिचालन हेतु आम जन का पक्ष जानना, उनकी चिन्ताओं/शंकाओं का समाधान करना, उनके सुझावों का नियमानुसार परियोजना परिचालन के क्रम में अंगीकृत करना ही इस सुनवाई का लक्ष्य है।

उनके द्वारा रेखांकित किया गया कि परियोजना के सरकार के मानकों/निर्धारित मापदंडों का अनुपालन तथा सतत् अनुश्रवण किया जाना परियोजना के द्वारा अपेक्षित है। उनके द्वारा इस बात को पुनः रेखांकित किया गया कि खनन कार्य सरकार द्वारा निर्धारित मानकों/मापदण्डों यथा घाटों के दोनों तटों पर निर्धारित क्षेत्र को छोड़कर ही खनन करने, खनन के क्रम में नियमानुसार सतह से तीन मीटर की अधिसीमा का अनुपालन करने, खनन क्षेत्र से मुख्य सड़क पर बालु के परिचालन हेतु Haul रोड का निर्माण करने, परिचालन के क्रम में संभावित वायु-प्रदुषण को रोकने हेतु नियमानुसार स्थल पर लगातार पानी छिड़काव करने, परिचालन स्थल के दोनों ओर अवस्थित पौधों/फसलों में सरकार के नियमानुसार पानी छिड़काव करने, पर्यावरण संतुलन हेतु खनन क्षेत्र के आसपास वृक्षारोपण करने, श्रमिकों को कार्य करने हेतु


पर्याप्त प्रशिक्षण देने एवं कार्य स्थल पर मानक के अनुरूप अनुमान्य सुविधा उपलब्ध कराने, नियमानुसार पर्यावरण अंकेक्षण एवं निगरानी रखने, नियमानुसार परिचालन में व्यवहृत किये जाने वाले वाहनों को परिवहन विभाग के निदेशानुसार अनुमान्य क्षमतानुसार ही परिचालन आदि किये जाने की आवश्यकता को पुनः रेखांकित करते हुए इस बात पर जोर दिया गया कि परियोजना के संचालक, प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड एवं सभी सक्षम प्राधिकार सरकारी मापदण्डों का दृढतापूर्वक अनुपालन करेंगे तथा अनुपालन की सतत् निगरानी एवं अंकेक्षण भी सुनिश्चित करेंगे।


परियोजना स्थल से विद्यालय एवं अस्पताल की दूरी के दृष्टिगत अध्यक्ष द्वारा अनुरोध किया गया कि वे विद्यालय में CER (Corporate Environmental Responsibility) के अन्तर्गत अपने स्तर पर AIR-PURIFIER लगाने की संभावना पर विचार करें।

अध्यक्ष द्वारा चर्चा के क्रम में परियोजना में पर्यावरण की रक्षा के लिए की जाने वाली शमनकारी उपयोग हेतु पूंजी लागत एवं आवर्ती लागत की कर्णांकित राशि में बढ़ोतरी करने की गुंजाइश देखते हुए इसमें वृद्धि करने हेतु विचार करने का सुझाव दिया गया।

सुनवाई में उपस्थित प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि एवं परियोजना के पर्यावरणीय, सलाहकार के द्वारा आश्वस्त किया गया कि कि परियोजना को सरकार के निर्धारित मापदण्डों/नियमों के अनुसार ही संचालित होगी और आम जनों को इससे किसी भी प्रकार का कोई कठिनाई/असुविधा नहीं होगी।

जन-सुनवाई के अंत में उपस्थित जनता के सुझाव को संग्रहित करते हुए सर्वसम्मति से बालू घाट के खनन परियोजना को शीघ्र प्रारंभ करने के लिए सक्षम प्राधिकार को अनुशंसा करने का निर्णय लिया गया। तत्पश्चात् लोक सुनवाई सधन्यवाद समाप्त करने की घोषणा की गयी।

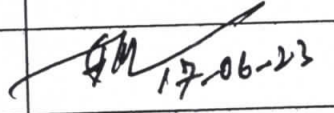
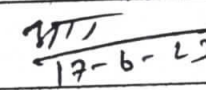
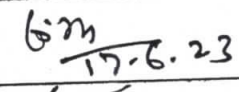
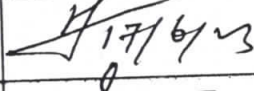
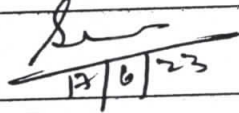
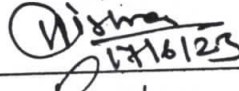
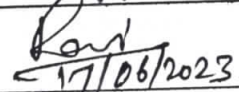
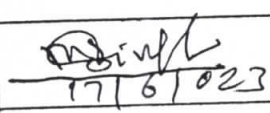
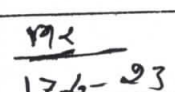

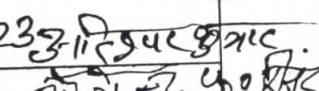
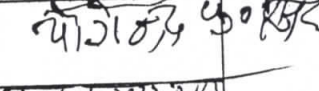
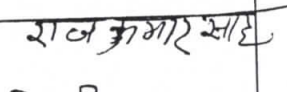
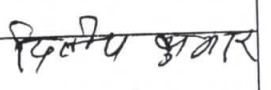
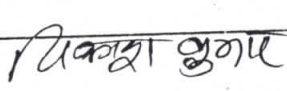
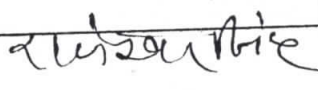

क्षेत्रीय पदाधिकारी
बि.रा.प्र.नि.पर्वद, पटना


अपर समहर्ता
रोहतास

श्री बिमल कुमार, पिता-श्री श्याम सुंदर यादव द्वारा रोहतास सोन -13 बालू घाट, मौजा-हुरका, अंचल-डेहरी, जिला-रोहतास में आयोजित लोक-सुनवाई के दौरान उपस्थित व्यक्तियों की सूची:

स्थान- अंचल कार्यालय डेहरी,

दिनांक: 17.06.2023 समय-11:00 A.M.

क्र.स.	नाम	पता	हस्ताक्षर
1.	संजय कुमार शर्मा	MAM-DGRO .ROHTAS.	 17.06-23.
2.	आशीष कुमार गुप्ता	श्री श्री पद्मार्थ, किलो 17 ग्राम-पुष्प, पटना	 17-6-23
3.	संजीव रंजन	M-2 Rohatas	 17-6.23
4.	उत्सव सिन्हा	BDO, Dehri	 17/6/23
5.	SNEHA	REVENUE OFFICER DEHRI	 17/6/23
6.	Vikash Mishra	Sr manager Rian Enviro Pvt Ltd	 17/6/23
7.	Rani Ranjan km	Enr. Consultant Rian Enviro Pvt-Ltd	 17/06/2023.
8.			
9.	मनोज सिन्हा	इरका	 17/6/2023
10.	उमेश कुमार		
11.	मिथिला कुमारी	इरका	 17-6-23
12.	विनय कुमार	इरका	17-6-23 
13.	उत्सव कुमार	इरका	17/6/2023 
14.	पौडी, रंज कंसिड	इरका	17/ 
15.	राज कुमार साह	इरका	
16.	दिलीप कुमार	इरका	
17.	विकास कुमार	इरका	
18.	राजेश्वर सिंह	इरका	

19.	विजय चर्षणी	दुरका	विजय चर्षणी
20.	आंकार सिंह	दुरका	आंकार सिंह
21.	राजाके शोर सिंह	दुरका	राजाके शोर सिंह
22.	जिनंदु सिंह	पाणी	जिनंदु पाणी
23.	हरिश कुमार	दुरका	हरिश कुमार
24.	दिपक कुमार	दुरका	दिपक कुमार
25.	गड्डु कुमार	दुरका	गड्डु कुमार
26.	जिनंदु कुमार	दुरका	जिनंदु कुमार
27.	चन्दन मारी	दुरका	चन्दन मारी
28.	गोवर्धन कुमार	दुरका	गोवर्धन कुमार
29.	रजनीश कुमार	दुरका	रजनीश कुमार
30.	मन्दु कुमार	दुरका	मन्दु कुमार
31.	सतेंद्र सिंह	दुरका	सतेंद्र सिंह
32.	राम लखन सिंह	दुरका	राम लखन सिंह
33.	अखिलेश कुमार	दुरका	Akhilash Kumar
34.	संजय कुमार	दुरका	Sanjay Kumar
35.	मीना कुमार	दुरका	मीना कुमार
36.	अमित सिंह	दुरका	अमित सिंह
37.	मृशुन्जय कुं०	दुरका	मृशुन्जय - कुमार
38.	हरिनारायण		
39.	विनोद सिंह	दुरका	विनोद सिंह
40.	भरत कुमार	दुरका	भरत कुमार

41.	छोटेलालसिंह	दुरका	दीपलाल सिंह
42.	सुरेन्द्रसिंह	दुरका	सुरेन्द्र सिंह
43.	राजू	दुरका	राजू कुमार
44.	संतोष	दुरका	संतोष कुमार
45.	विद्येश कुमार	दुरका	विद्येश कुमार
46.	बाबूलालसिंह	दुरका	बाबूलालसिंह
47.	दीपक कुमार	दुरका	दीपक कुमार
48.	रितेश सिंह	दुरका	रितेश सिंह
49.			
50.			
51.			
52.			
53.			
54.			
55.			
56.			
57.			
58.			
59.			
60.			
61.			
62.			